समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास फरवरी, 2022

कक्षा 9-10

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

संकलित – राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहलाना ,चंडीगढ़

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

समन्वयक :

प्राचार्या श्रीमती रेणु गुप्ता, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहलाना, चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़।
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़।
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़।
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़।
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़।
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़।
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़।
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़।
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़।
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़।
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़।

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

Reading Literacy (Hindi)				
	कक्षा 9-10			
Serial number प्रतिमान संख्या	Name of the module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page number
1	दु:ख	Understand/Reflect	पाठ्य पुस्तक	4
2	लता मंगेशकर	Understand/Reflect	पाठ्य पुस्तक	8

प्रतिमान -1

पाठ्य पुस्तक : स्पर्श भाग 1	कक्षा : 9
प्रकार : कहानी	पाठ का नाम : दुख का अधिकार
सीखने के प्रतिफल: 903 पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने समझने को उत्सुक है और उन्हें पढ़ते हैं। 906 देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/ रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। 918 अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।	

‘हे भगवान! ये रत्ना ही है ना '

'हाँ, हैं तो वही। पर यहाँ क्या कर रही है?''राम ही जाने'

'कैसी औरत है ? पति को गये अभी दस दिन भी नहीं हुए और ये '

' घोर कलयुग है। पति के जाने का तो कोई गम ही नहीं'

'राम ही जाने! पति मर गया तो औरत सवा महीने तक घर के बाहर तक नहीं निकलती और इसे देखो घर के बाहर निकल कर पता नहीं क्या कर रही है? जिसको दुख हो, वही रुके घर में। आ गई यहाँ ईटें ढोने'

जबसे रत्ना बुआ को लोगों ने घर के बाहर देखा है तब से इसी तरह की खुसुर फुसूर सबके बीच चल रही है। आज सुबह से ही लोग उनके बारे में ऐसी बातें कर रहे है।

दरअसल रत्ना बुआ के पति की दस दिन पहले ही मृत्यु हुई है। और हमारे समाज के बनाए हुए नियमों के अनुसार एक महिला जिसके पति की मृत्यु हो गई हो, वह कम से कम सवा महीने तक कहीं बाहर नहीं निकलती। इसलिए रत्ना बुआ का घर से बाहर निकलना लोगों के गले नहीं उतर रहा था।

रत्ना बुआ बहुत ही प्यारी सी महिला है, जो अपने तीन बच्चों और पति और सास के साथ रहती

थी। बच्चे भी अभी ज्यादा बड़े नहीं है। दस साल का विनोद, आठ साल का राजू और पाँच साल का गणेश, बस यही उसकी दुनिया हैं।

पति को तो परिवार से कुछ लेना-देना ही नहीं था। जो कमाता था शराब पीकर के उड़ा देता था। सास को भी उससे कोई लेना-देना नहीं था, बस हर बात में ताना मारती रहती थी। रत्ना बुआ ही मेहनत मजदूरी करके अपने बच्चों की परवरिश करती थी। इसलिए घर की स्थिति भी कुछ ज्यादा खास नहीं थी।

अभी दस दिन पहले ही लीवर फेल होने के कारण पति की भी मौत हो गई। जैसे तैसे तीन-चार दिन तो निकले पर उसके बाद घर की हालत पूरी तरह से खसता हो गई। शुरु शुरु में रिश्तेदारों और पड़ोसियों ने थोड़ी बहुत मदद की, पर वे भी कब तक करते।

आज दसवें दिन रत्ना बुआ को मजबूरन मजदूरी के लिए घर के बाहर निकलना ही पड़ा। दोपहर 2:00 बजे तक घर पहुंची तो अपने साथ कुछ खाने पीने का सामान लाई थी। वह लाकर बच्चों को खाने के लिए दे दिया। बच्चों ने बड़ी खुशी से खाना खाया। उन लोगों को देख कर रत्ना बुआ भूखे पेट ही तृप्त हो गई।

पर जब सास को परोसा तो अपनी आदत अनुसार उन्होंने ताना मारना शुरू कर दिया,

' यहां मेरा बेटा मर गया और तुझे रुपए कमाने की लगी है। और कुछ दिन घर में नहीं रह सकती थी। समाज थू थू कर रहा है हम पर। यह कैसी औरत है? यहाँ पति को 15 दिन भी नहीं हुए और निकल गई कमाने के लिए'

पर रत्ना बुआ ने कोई जवाब नहीं दिया। पर उनकी सास गुस्से में और जोर से चिल्लाई,

'कोई लाज शर्म है या नहीं तुझे। कुछ दिन और रो लेती मेरे बेटे को। नियम कायदे होते हैं समाज के। तू नियमों से ऊपर नहीं है'

'हां, सही कहा आपने। मैं नियमों से ऊपर नहीं हूं, पर आपके ये नियम मेरे बच्चों की भूख नहीं मिटाते। कल से हमारे घर में अन्न का एक भी दाना नहीं है। मेरे बच्चे भूखे हैं। पानी पिलाकर तो पेट नहीं भर सकती। क्या समाज में से किसी ने आकर पूछा? नहीं ना। आपका समाज हमारे घर में अनाज की बोरी रखकर नहीं जाता, तो उन्हें हमारे बारे में बात करने की जरूरत नहीं है। इस पापी

पेट को तो रोटी ही चाहिए। नियमों से मेरे बच्चों का पेट नहीं भरता। मां हूं मैं। अपने बच्चों को भूख से बिलखता नहीं देख सकती'

बस रत्ना बुआ ने इतना ही कहा। और कुछ पल खामोशी के बाद रत्ना बुआ चल दी अपने बच्चों की आज रात की रोटी का बंदोबस्त करने।

1. रत्ना के घर में किसकी मृत्यु हुई थी?

क) रत्ना के पिता

ख) रत्ना की सास

ग) रत्ना के पति

घ) रत्ना

2. हमारे समाज में किसी की मृत्यु होने के पश्चात काम पर जाना बुरा क्यों माना जाता है?

3. रत्ना बुआ को मजदूरी करने के लिए क्यों जाना पड़ा?

क) घर की आर्थिक स्थिति के कारण

ख) बच्चों को लगने वाली भूख के कारण

ग) 'क' और 'ख' दोनों

घ) घूमने के लिए

4. रत्ना में काम पर जाने का क्या तर्क अपनी सास को दिया?

क) बच्चों की भूख

ख) घर में अनाज का होना

ग) समाज द्वारा बच्चों को खाने के लिए पूछना

घ) नियम

5. अनुचित विकल्प बताएं:-

क) सम् + आज

ख) कम + आना

ग) मृत् + यु

घ) बिलख + ता

अध्यापक के लिए:

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
2.	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
3.	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4.	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
5.	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत

प्रतिमान -2

पाठ्य पुस्तक : स्पर्श भाग 1	कक्षा : 9
प्रकार : निबंध	पाठ का नाम : स्मृति
सीखने के प्रतिफल: 903 पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने समझने को उत्सुक है और उन्हें पढ़ते हैं। 905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं। 906 देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/ रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।	

लता मंगेशकर (28 सितंबर 1929 - 6 फ़रवरी 2022) भारत की सबसे लोकप्रिय और आदरणीय गायिका थीं, जिनका छः दशकों का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा पड़ा है। हालाँकि लता जी ने लगभग तीस से ज्यादा भाषाओं में फ़िल्मी और गैर-फ़िल्मी गाने गाये हैं, लेकिन उनकी पहचान भारतीय सिनेमा में एक पार्श्वगायिका के रूप में रही है। अपनी बहन आशा भोंसले के साथ लता जी का फ़िल्मी गायन में सबसे बड़ा योगदान रहा है।

सन २०१४ में लता जी

भारत रत्न लता मंगेशकर

•जन्म-हेमा मंगेशकर ,28 सितम्बर 1929, इन्दौर, इन्दौर रियासत , सेन्ट्रल इंडिया एजेन्सी, ब्रितानी भारत(वर्तमान मध्यप्रदेश, भारत)

•मृत्यु-6 फ़रवरी 2022 (उम्र 92)मुंबई, महाराष्ट्र, भारत

राष्ट्रीयता-भारतीय

•अन्य नाम-स्वर-साम्राज्ञी, राष्ट्र की आवाज, सहराब्दी की आवाज, भारत कोकिला,स्वर कोकिला

•व्यवसाय-पार्श्वगायिका, संगीत निदेशक, निर्माता

•कार्यकाल-1942 से 2022

•माता-पिता-दीनानाथ मंगेशकर (पिता),शेवन्ती मंगेशकर (माता)

•संबंधी-मीना खाडीकर् (बहन),आशा भोसले (बहन),

ऊषा मंगेशकर (बहन),हृदयनाथ मंगेशकर (भाई)लता की जादुई आवाज़ के भारतीय

उपमहाद्वीप के साथ-साथ पूरी दुनिया में दीवाने हैं। टाईम पत्रिका ने उन्हें भारतीय उन्हें 'भारतरत्न' से सम्मानित किया था।

विविध

•पिता दीनानाथ मंगेशकर शास्त्रीय गायक थे।

•उन्होने अपना पहला गाना मराठी फिल्म 'कीर्ती हसाल' (कितना हसोगे?) (1942) में गाया था।

•लता मंगेशकर को सबसे बड़ा ब्रेक फिल्म महल से मिला। उनका गाया "आयेगा आने वाला" सुपर डुपर हिट था।

•लता मंगेशकर अब तक 20 से अधिक भाषाओं में 30000 से अधिक गाने गा चुकी हैं।

•लता मंगेशकर ने 1980 के बाद से फ़िल्मो में गाना कम कर दिया और स्टेज शो पर अधिक ध्यान देने लगी।

•लता ही एकमात्र ऐसी जीवित व्यक्ति थीं जिनके नाम से पुरस्कार दिए जाते हैं।

•लता मंगेशकर ने आनंद घन बैनर तले फ़िल्मों का निर्माण भी किया है और संगीत भी दिया है।

•वे हमेशा नंगे पाँव गाना गाती थीं।

पुरस्कार

•फिल्म फेयर पुरस्कार (1958, 1962, 1965, 1969, 1993 और 1994)

•राष्ट्रीय पुरस्कार (1972, 1975 और 1990)

•महाराष्ट्र सरकार पुरस्कार (1966 और 1967)

•1969 - पद्म भूषण

•1974 - दुनिया में सबसे अधिक गीत गाने का गिनीज़ बुक रिकॉर्ड

•1989 - दादा साहब फाल्के पुरस्कार

•1993 - फिल्म फेयर का लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार

•1996 - स्क्रीन का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

•1997 - राजीव गांधी पुरस्कार

•1999 - एन.टी.आर. पुरस्कार

•1999 - पद्म विभूषण

•1999 - ज़ी सिने का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

•2000 - आई. आई. ए. एफ. का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

•2001 - स्टारडस्ट का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

•2001 - भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान "भारत रत्न"

•2001 - नूरजहाँ पुरस्कार

•2001 - महाराष्ट्र भूषण

प्रश्न:

प्रश्न 1: लता मंगेशकर का कार्यकाल कितने वर्षों का रहा?

प्रश्न 2: लता मंगेशकर ने अपना पहला गाना किस भाषा में गाया?

i) बंगाली

ii) मराठी

iii) हिंदी

iv) तमिल

प्रश्न 3: कौन सा कथन गलत है?

i) लता जी ने लगभग तीस से ज्यादा भाषाओं में फ़िल्मी और गैर-फ़िल्मी गाने गाये हैं।

ii) लता मंगेशकर को सबसे बड़ा ब्रेक फिल्म महल से मिला। उनका गाया "आयेगा आने वाला" सुपर डुपर हिट था।

iii) टाईम पत्रिका ने उन्हें 'भारतरत्न' से सम्मानित किया था।

iv) वे हमेशा नंगे पाँव गाना गाती थीं।

प्रश्न 4: लता जी को किस वर्ष में सबसे अधिक पुरस्कार प्राप्त हुए?‘भारत रत्न' पुरस्कार क्या प्रत्येक वर्ष दिया जाता है और लता जी के साथ यह पुरस्कार उस वर्ष और किन्हें दिया गया था?

प्रश्न 5: ‘लता जी हमेशा नंगे पाँव गाना गाती थी।' इस से क्या अभिप्राय है?

अध्यापक के लिए:

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तार्किक	सरल
2.	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	सरल
3.	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4.	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
5.	विश्लेष्ण	तार्किक	औसत

हिंदी प्रतिमान

उत्तरमाला

प्रतिमान -1

1.	Full Credit	ग) रत्ना के पति
	No Credit	असंगत उत्तर
2.	Full Credit	विद्यार्थियों द्वारा दिए गए तर्कसंगत उत्तर (कोई भी दो कारण)
	No Credit	असंगत उत्तर
3.	Full Credit	ग) क और ख दोनों
	No Credit	असंगत उत्तर
4.	Full Credit	क) बच्चों की भूख
	No Credit	असंगत उत्तर
5.	Full Credit	ग) मृत + यु
	No Credit	असंगत उत्तर

प्रतिमान -2

1.	Full Credit	80 वर्ष
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
2.	Full Credit	ii) मराठी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
3.	Full Credit	iii) टाईम पत्रिका ने उन्हें 'भारतरत्न' से सम्मानित किया था।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
4.	Full Credit	•वर्ष 2001 में, •यह आवश्यक नहीं कि भारत रत्न पुरस्कार प्रत्येक वर्ष दिया जाए। •उस्ताद बिस्मिल्लाह खां

	partial Credit	विद्यार्थी द्वारा दिया कोई भी एक उचित उत्तर मान्य
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
5.	Full Credit	इससे अभिप्राय है कि लता जी संगीत को पूजा समझती थी इसीलिए जिस प्रकार हम भगवान के मंदिर में नंगे पांव जाते हैं उसी प्रकार वह गीत भी नंगे पांव ही गाया करती थीं।
	partial Credit	विद्यार्थी द्वारा दिया मिलता-जुलता उत्तर मान्य होगा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर